● **सुनो, समझो और पढ़ो :**

६. चंदा मामा की जय

– मंगल सक्सेना

जन्म : १९३६, बीकानेर (राजस्थान) **मृत्यु :** जुलाई २०१६ **रचनाएँ :** 'मैं तुम्हारा स्वर' आदि । **परिचय :** मंगल सक्सेना जी कवि, नाट्यनिर्देशक, राजस्थान साहित्य अकादमी के सचिव के रूप में प्रसिद्ध थे । आपने हिंदी साहित्य निर्मिति में अच्छा योगदान दिया है ।
प्रस्तुत एकांकी में लेखक ने शांति-प्रियता, बड़ों का आदर, छोटों से प्यार, बुरी आदतों को त्यागने के लिए प्रोत्साहित किया है ।

जरा सोचो .... चर्चा करो

यदि तुम्हारा घर मंगल ग्रह पर होता तो ....

पात्र

सुनील–आयु ८ वर्ष, **अनिल**–आयु ५ वर्ष, **चार बच्चे**–प्रत्येक की आयु ३ से ५ वर्ष,
रातरानी–आयु १३ वर्ष, **नींदपरी**–आयु ११ वर्ष, **चंदा मामा**–आयु १४ वर्ष,
दो तारे–आयु प्रत्येक ९ वर्ष, **तीन पहरेदार**–आयु १०-१२ वर्ष
समय : अर्धरात्रि । **स्थान :** बादलों के देश में ।

[रातरानी काली पोशाक में बैठी है । सामने टेबल पर हथौड़ी है । पीछे सेविका पंखा झल रही है । नींद परी के दोनों ओर एक-एक तारा खड़ा है । उनके हाथ में तारे की झंडी है । एक ओर नींदपरी हल्की नीली पोशाक, ढीली-ढाली बाँहोंवाला लंबा चोंगा पहने खड़ी है । वहीं पाँच बच्चे एक ही बेंच पर उनींदे-से बैठे हैं । सबसे छोटा बच्चा ऊँघ रहा है । सुनील अलग कुर्सी पर बैठा है ।]

(पर्दा उठता है ।)

नींदपरी : ये रोने वाले बच्चे हैं, विशेषकर यह अनिल । खड़े हो जाओ । **(अनिल खड़ा हो जाता है)**

रातरानी : **(डाँटकर)** तुम क्यों रोते हो ? **(अनिल और जोर से रोने लगता है । सभी जोर से रोने लगते हैं ।)** अरे, चुप हो जाओ ! नींदपरी इन्हें किसी तरह चुप कराओ ताकि कार्यवाही चालू की जाए ।

❑ एकांकी का मुखर वाचन कराएँ । नाट्यीकरण कराएँ । विद्यार्थी अपनी माँ की कौन-कौन-सी बातें मानते हैं उनसे उनकी सूची बनवाएँ । उन्हें अपनी रुचि का काम बताने के लिए कहें । किसी कार्य की परख करते हुए उसे करने या न करने का निर्णय लेने के लिए प्रेरित करें ।

वाचन जगत से

भारतीय मूल की किसी महिला अंतरिक्ष यात्री संबंधी जानकारी पढ़ो तथा विश्व के अंतरिक्ष यात्रियों के नाम बताओ ।

नींदपरी : और यह सुनील ... यह घर में चाय की कप-प्लेटें तोड़कर और अपनी माँ से पिटकर सोया था ।

रातरानी : इन्हें अपराध के अनुसार दंड देंगे । **(सुनील से)** तुम्हें सफाई देनी होगी । समझे, नहीं तो सजा दी जाएगी ।

नींदपरी : यह अपनी माँ का कहना नहीं मानता । खाने के समय खाना नहीं खाता । यह खेलने के समय खेलता नहीं, पढ़ने के समय पढ़ता नहीं, कोई काम समय पर नहीं करता ।

रातरानी : जवाब दो ।

सुनील : **(भोलेपन से)** अच्छे बच्चे बड़ों को जवाब नहीं देते इसलिए मैं जवाब नहीं दूँगा ।

नींदपरी : यह बड़ों को ''तू'' कहता है, उनका आदर नहीं करता । दूसरों को पीटता है ।

सुनील : अच्छा, मैंने आपको ''तू'' कहा क्या ? मैंने आपको पीटा क्या ? यह तो झूठ-मूठ कहती है ।

रातरानी : देखो तुमने इन्हें ''कहती है'' कहा है, जबकि तुम्हें कहना चाहिए था- ''कहती हैं'' । **(गुस्से से)** तुम बड़ों का मजाक उड़ाते हो । हम तुम्हें कड़ी से कड़ी सजा देंगे । **(तभी अनिल रो पड़ता है । सब बच्चे चौंककर उधर देखते हैं और सभी गला फाड़कर रो पड़ते हैं ।)** क्यों रोते हो ? **(चिल्लाकर)** चुप रहो, वरना ...... **(रातरानी गुस्से से काँपने लगती हैं ।)**

अनिल : सुनील भैया को कड़ी सजा मत दो ! **(रोने लगता है । उसके साथ सब रोने लगते हैं ।)**

रातरानी : अच्छा-अच्छा... कड़ी सजा नहीं देंगे, चुप तो हो जाओ ! अनिल तुम सबसे अधिक रोते हो । क्यों ?

अनिल : रोने से खाने को लड्डू मिलते हैं । **(सब हँस पड़ते हैं ।)**

रातरानी : हम तुम्हारी माँ को कहेंगी कि रोने पर तुम्हें डाँटा करें, तुम्हारी बात न माना करें - तब ?

अनिल : तब ....तब मैं और जोर-जोर से रोऊँगा ।

सुनील : रोने से हमको बताशे मिलते हैं इसलिए हम रोते हैं ।

रातरानी : यह बुरी बात है । हमेशा तुम्हें रोने पर बताशे नहीं मिलेंगे ।

सुनील : **(रुआँसा होकर)** आप क्षमा करें । मैं अब कभी कोई शैतानी नहीं करूँगा ।

- अकड़ना, डाँटना, चौंकना, शरमाना आदि क्रियाओं का विद्यार्थियों से मूक एवं मुखर अभिनय करवाएँ । उनसे इन क्रियाओं का वाक्यों में प्रयोग करवाएँ । एकांकी में आए कारक चिह्न खोजवाकर लिखवाएँ । उनका सार्थक वाक्यों में प्रयोग करने के लिए कहें ।

खोजबीन

इस वर्ष का सूर्यग्रहण कब है ? उस समय पशु-पक्षी के वर्तन-परिवर्तन का निरीक्षण करो और बताओ ।

भूगोल सातवीं कक्षा पृष्ठ ७

अनिल : हम कभी नहीं रोएँगे परंतु सुनील भैया को सजा न दी जाए । इन्हें सजा मत दें ।

रातरानी : **(हथौड़ी पीटकर)** शांति-शांति ! शोर मत करो । **(इतने में चंदामामा आते हैं ।)**

नींदपरी : चंदामामा आप ?

रातरानी : चंदामामा ! **(खड़ी हो जाती है, सब खड़े हो जाते हैं ।)**

सब बच्चे : **(खुशी से तालियाँ पीटकर)** चंदा मामा आ गए ... ! चंदा मामा आ गए ...! चंदा मामा, जयहिंद !

चंदा मामा : जयहिंद , मेरे बच्चो, जयहिंद ! **(रातरानी से)** .... रातरानी, तुम बच्चों पर अन्याय कर रही हो ।

रातरानी : **(डरकर)** कैसा अन्याय मामा जी ?

चंदा मामा : एक व्यक्ति में अगर गुण अधिक हों और बुरी आदतें कम तो उसे क्षमा कर दिया जाता है ।

रातरानी : **(क्रोध से)** नींदपरी , तुमने हमें इनके गुण नहीं बताए, क्यों ?

चंदा मामा : यही तो बुरी बात है । किसी की बुराई के साथ-साथ उसकी अच्छाई को भी ढूँढ़ना चाहिए । यह सुनील अपने से छोटे बच्चों को कभी नहीं पीटता, उन्हें प्यार करता है । ये बच्चे अपने से बड़ों का कहना मानते हैं, उन्हें प्यार करते हैं, उनका आदर करते हैं । आपस में भी कभी नहीं झगड़ते ।

रातरानी : सचमुच ! इनके ये गुण तो मैं अभी-अभी देख चुकी हूँ ।

नींदपरी : रातरानी, ऐसे गुणवाले बच्चों को तो हमारे यहाँ सजा नहीं दी जाती ।

रातरानी : अगर ये बच्चे प्रतिज्ञा करें कि ये बुरी आदतें भी छोड़ देंगे तो इन्हें सजा नहीं दी जाएगी ।

सब बच्चे : हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम छोटी-बड़ी सभी बुरी आदतें छोड़ देंगे ।

रातरानी : सबको क्षमा किया जाता है । **(बच्चे खुशी से 'चंदा मामा की जय,' चंदा मामा की जय-जयकार करने लगते हैं ।)**

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

सेविका = सेवा करने वाली   **कड़ी** = कठोर

मजाक = हँसी-ठट्ठा   **शैतानी** = शरारत

मुहावरा

गला फाड़कर रोना = जोर-जोर-से रोना

स्वयं अध्ययन

सौरमंडल की जानकारी पर लघु टिप्पणी तैयार करो और बताओ ।

- ग्रहों का क्रम
- उपग्रहों की संख्या
- पृथ्वी का परिक्रमा काल

मेरी कलम से

किसी दुकानदार और ग्राहक के बीच होने वाला संवाद लिखो और सुनाओ : जैसे– माँ और सब्जीवाली ।

विचार मंथन

।। बिन माँगे मोती मिले।।

सदैव ध्यान में रखो

निवेदन सदैव विनम्र शब्दों में ही करना चाहिए ।

१. किसने, किससे और क्यों कहा है ?

(क) ''हम तुम्हें कड़ी से कड़ी सजा देंगे ।''

(ख) ''सबको क्षमा किया जाता है ।''

२. इस एकांकी का सारांश अपने शब्दों में लिखो ।

३. इस एकांकी के पसंदीदा पात्र का वर्णन करो ।

४. नैतिक मूल्यों की सूची बनाओ और उनपर अमल करो ।

भाषा की ओर

निम्नलिखित वाक्य पढ़ो और मोटे और ( ) में छपे शब्दों पर ध्यान दो :

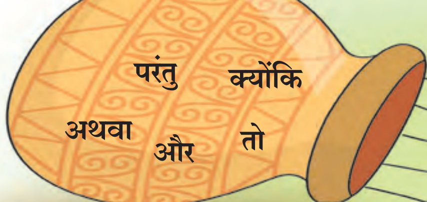

१. सर्वेश ने परिश्रम किया **और** इस परिश्रम ने उसे सफल बना दिया ।

२. मैं कर्ज में डूबा था **परंतु** मुझे असंतोष न था ।

३. प्रगति पत्र पर माता जी **अथवा** पिता जी के हस्ताक्षर लेकर आओ ।

४. मैं लगातार चलता **तो** मंजिल पा लेता ।

५. मुझे सौ–सौ के नोट देने पड़े **क्योंकि** दुकानदार के पास दो हजार के नोट के छुट्टे नहीं थे ।

उपर्युक्त वाक्यों में **और, परंतु, अथवा, तो, क्योंकि ....** शब्द अलग–अलग स्वतंत्र वाक्यों या शब्दों को जोड़ते हैं । ये शब्द **समुच्चयबोधक अव्यय** हैं ।

१. (वाह !) क्या रंग–बिरंगी छटा है ।

२. (अरे !) हम कहाँ आ गए ?

३. (अरे रे !) पेड़ गिर पड़ा ।

४. (छिः !) तुम झूठ बोलते हो ।

५. (शाबाश !) इसी तरह साफ–सुथरा आया करो ।

L4UBPQ

उपर्युक्त वाक्यों में **वाह, अरे, अरे रे, छिः, शाबाश** ये शब्द क्रमशः खुशी, आश्चर्य, दुख, घृणा, प्रशंसा के भाव दिखाते हैं । ये शब्द **विस्मयादिबोधक अव्यय** हैं ।